

Sanskrit VIII

Page No.

Date: 8/10/2020

जीस माफ़ी के लिए प्रार्थना-पत्र

सेवायाम्,

प्रधानाचार्य महोदयः,
डी०आई०पी०एस

हसनगढ़ (रोहतक)

मान्यवर,

सादर निवेदनम् अस्ति यत् अहम् एक
दरिद्रः छात्रः/ छात्रा अस्मि। मम
अनुजः अपि अस्मिन् विद्यालये पठति।
मम पिता एकः कृषकः अस्ति।
असौ मम शुल्कदाने असमर्थः अस्ति।
अतः शुल्क-मुक्तिं दत्वा नमन्तः
भाये अनुग्रहं कुर्वन्तु।

धन्यवादः।

मुखताम् आजाकारी शिष्यः
/ शिष्याः

नामः—

कक्षा— अष्टमी ए/वी

अनुक्रमांक—

Page No.

Date: / /

→

सेवा में,

हिन्दी

प्रधानाचार्य जी,

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं
एक गरीब छात्र/ छात्रा हूँ। मेरा
दोस न्नाई न्नी इसी विद्यालय में
पूठता है। मेरे पिता जी एक
किसान है। इसलिए वह मेरी
जीस देने में समर्थ (सक्षम)
नहीं है। अतः मेरी आपसे
प्रार्थना है कि आप मेरी
जीस माफ़ करें।

धन्यवाद।

आपकी/ आपका आजाकारी शिष्य/ शिष्या

नाम—

कक्षा—

अनुक्रमांक—